प्रादेशिक समाचार बुलेटिन,
आकाशवाणी, लखनऊ।

प्रसारण तिथि : 01.09.2026 प्रसारण समय : 19:20 बजे

मुख्य समाचार :–

1. प्रदेश में 19 जिले बाढ़ से प्रभावित : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को नुकसान का आकलन कर चार घंटे में मुआवजा देने के दिए निर्देश।
2. रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने ग्रेटर नोएडा में इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के एमएसएमई अवॉर्ड समारोह में की शिरकत : कहा– विकसित भारत के निर्माण की आधारशिला है एमएसएमई सेक्टर।
3. रेलवे ने मुरादाबाद संभाग के 712 किलोमीटर मार्ग के लिए कवच योजना के तहत 170 करोड रूपये किये मंजूर : इस कदम से और सुरक्षित होगी रेल यात्रा।

और

4. चीनी की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए केन्द्र सरकार ने चीनी भंडारण की सीमा 4 हज़ार क्विंटल से घटाकर की 2 हजार क्विंटल : प्याज के दामों पर लगाम लगाने के लिए सुरक्षित भंडार से राज्यों को की जा रही सप्लाई।

———————

प्रदेश में रुक–रुक कर हो रही बारिश और बैराजों से पानी छोड़े जाने के कारण राज्य के 19 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर बाढ़

प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव अभियान युद्धस्तर पर चलाया जा रहा है। एक रिपोर्ट.....

प्रदेश में बारिश से होने वाली जनहानि, पशु हानि और आर्थिक हानि को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को फील्ड पर निकलने के दिए निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने वर्षा, आकाशीय बिजली से हुए नुक्सान का आंकलन कर, दो से चार घंटे में मुआवजा देने का निर्देश दिए हैं। प्रदेश सरकार की ओर से बाढ़ प्रभावित परिवारों तक भोजन, राहत सामग्री और जरूरी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के साथ ही लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम भी जारी है। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में 549 बाढ़ चौकियां स्थापित की गई हैं और 248 मेडिकल टीमें तैनात हैं। इसके अलावा लोगों को सुरक्षित निकालने और जरूरतमंदों तक राहत पहुंचाने के लिए 552 नाव एवं मोटरबोट का इस्तेमाल किया जा रहा है। वहीं बाढ़ प्रभावितों के लिए 312 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। इन राहत शिविरों में करीब 1700 लोग रह रहे हैं। समाचार कक्ष से तनवीर फातिमा।

उधर, चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। नदी के आसपास के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में प्रशासन और एनडीआरएफ की मदद से राहत और बचाव कार्य जारी है। रसिन डैम का जलस्तर स्थिर रखने के लिए पानी छोड़ा गया है, जिसके कारण बाणगंगा नदी के डाउन स्ट्रीम क्षेत्र में जलस्तर बढ़गया है।

जिला प्रशासन ने जनपदवासियों को बाणगंगा और बागेन नदी के किनारे, घाटों औऱ संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से दूर रहने के निर्देश दिए हैं। उधर, वाराणसी में गंगा नदी चेतावनी बिंदु के करीब पहुंच गई है। प्रशासन की ओर से गंगा और वरुणा के तटवर्ती क्षेत्रों में लगातार निगरानी की जा रही है। वरुणा के जलभराव से प्रभावित

कुछ परिवारों को पहले ही राहत शिविरों में रखा गया है। संभावित बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए एनडीआरएफ, जल पुलिस, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम समेत संबंधित विभागों के बीच समन्वय बना कर काम किया जा रहा है। पीलीभीत में भारी बारिश और बनबसा बैराज से 2 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने से शारदा नदी उफान पर है। ट्रांस शारदा क्षेत्र में फसलें और संपर्क मार्ग जलमग्न हो गये हैं। उधर, देवहा नदी की बाढ़ से कई गांवों के लोगों का आवागमन बाधित हो गया है। भारी बारिश को देखते हुए चित्रकूट और पीलीभीत में कक्षा 8 तक के स्कूलों में कल अवकाश घोषित किया गया है। मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में प्रदेश में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

———————

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत की 7 दशमलव 8 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि 140 करोड़ देशवासियों की मेहनत और सामूहिक संकल्प का परिणाम है। आज सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि कोविड महामारी के बाद से जारी युद्ध और वैश्विक अस्थिरता जैसी चुनौतियों के बावजूद भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आर्थिक विकास की इस गति को बनाए रखने के लिए आत्मनिर्भर भारत बनना जरूरी है। प्रधानमंत्री ने देशवासियों से स्वदेशी

अपनाने, वोकल फॉर लोकल को बढ़ावा देने और भारत में बने उत्पादों का समर्थन करने का आग्रह किया। बाइट....

देशवासियों को बहुत बहुत बधाई 7.8: ग्रोथ देश खुशियों से भर गया। देशवासियों को मैं बधाई देता हूं। उनके संकल्प शक्ति के लिए उनके पुरुषार्थ के लिए एक सामूहिक शक्ति का एक प्रतिबिंब है। दुनिया युद्ध में डूबी हुई है। चारों तरफ युद्ध की खबरें आ रही है। विश्व संकटों से घिरा हुआ है। सप्लाई चेन पूरी तरह डिस्टर्ब है। 2020 में कोविड काल से लेकर अब तक कहीं पर भी स्थिरता नजर नहीं आ रही है। उसके बावजूद भी भारत तेज गति से प्रगति कर रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत के आर्थिक वृद्धि को 140 करोड़ भारतीयों के सामूहिक संकल्प को दर्शाने वाला बताया है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, निर्णायक नीतियों ने देश की आर्थिक नींव को मजबूत किया है और वैश्विक स्तर पर इसकी प्रतिष्ठा को बढ़ाया है।

————————

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आज ग्रेटर नोएडा में इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन की ओर से आयोजित एमएसएमई अवार्ड समारोह में शिरकत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षामंत्री ने कहा कि एमएसएमई विकसित भारत के निर्माण की आधारशिला है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत सिर्फ आर्थिक रूप से मज़बूत देश की संकल्पना नहीं है, बल्कि ऐसे राष्ट्र के निर्माण का लक्ष्य है, जो मैन्यूफैक्चरिंग और तकनीक में अग्रणी हो और युवाओं के लिए रोज़गार के नए अवसर पैदा कर सके। बाइट.....

विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में कोई सच्चाई को नकार नहीं सकता है कि एमएसएमई की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है। विकसित भारत का अर्थ केवल आर्थिक रूप से मजबूत भारत ही नहीं होता है बल्कि ऐसा भारत है जो मैन्युफैक्चरिंग में ग्लोबली कॉम्पिटेटिव हो। टेक्नोलॉजी और इनोवेशन में अग्रणी हो, युवाओं के लिए पर्याप्त रोजगार के अवसर पैदा करें और अपनी स्ट्रेटेजिक तथा इकोनॉमिक कैपेबिलिटीज में भी वह आत्मनिर्भर हो।

———————

ब्रेक

यह समाचार आप आकाशवाणी लखनऊ से सुन रहे हैं।

ताज़ा समाचार जानने के लिये आप हमारी वेबसाइट न्यूज़ ऑन ए0आई0आर0 डॉट जी0ओ0वी0 डॉट आई0एन0 पर लॉगिन कर सकते हैं। इसके साथ ही आप प्रादेशिक समाचारों का यह बुलेटिन हमारे यूट्यूब चैनल न्यूज ऑन एआईआर लखनऊ पर भी सुन सकते हैं।

———————

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग ने प्रारम्भिक अर्हता परीक्षा–2026 यूपी पीईटी के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर पंजीकरण, शुल्क जमा करने और ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 1 सितंबर से बढ़ाकर 7 सितंबर 2026 कर दी है।

———————

रेलवे ने उत्तरी रेलवे के अंतर्गत मुरादाबाद संभाग के शेष 712 किलोमीटर रेलमार्ग पर कवच योजना के चौथे

संस्करण के लिए 170 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। रेल मंत्रालय ने कहा कि इससे रेलवे सुरक्षा के बुनियादी ढांचे को मजबूती मिलेगी। कवच परिचालन सुरक्षा बढ़ाने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित एक ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन प्रणाली है। यह असुरक्षित स्थितियों को टालने के लिए आवश्यक होने पर स्वचालित रूप से ब्रेक लगाता है, गंभीर परिस्थितियों में ट्रेन की गति को नियंत्रित करता है और टक्कर के जोखिम को काफी कम करता है। यह पहल रेलवे सिग्नलिंग और ट्रेन सुरक्षा प्रणालियों के आधुनिकीकरण के लिए भारतीय रेलवे के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है।

———————

चीनी की जमाखोरी और सट्टेबाजी रोकने के लिए केन्द्र सरकार ने चीनी के भंडारण की सीमा चार हजार क्विंटल से घटाकर दो हजार क्विंटल कर दी है। उधर, देश में प्याज की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए सरकार ने सुरक्षित भंडार से प्याज बाजार में भेजना शुरू कर दिया है। एक रिपोर्ट.....

चीनी के भंडारण की नई सीमा इस महीने की 15 तारीख से 30 नवंबर तक लागू रहेगी। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार, संशोधित नियमों के तहत कोई भी व्यापारी स्टॉक मिलने के 30 दिनों से अधिक समय तक तय सीमा से अधिक चीनी अपने पास नहीं रख सकेगा। सरकार ने भरोसा दिया है कि इस फैसले से बाजार में चीनी की कमी नहीं होगी और कीमतें काबू में रहेंगी। उधर, प्याज की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित रखने के लिए नासिक से भेजी गई पहली कांदा एक्सप्रेस 450 मीट्रिक टन प्याज लेकर दिल्ली पहुंच चुकी है, जिसे दिल्ली–एनसीआर,

वाराणसी, लखनऊ, चंडीगढ़ और अमृतसर में वितरित किया गया है। सरकार ने स्पष्ट किया है कि बाजार में प्याज आते ही कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है और आने वाले दिनों में दाम और कम होंगे। रेलमार्ग से प्याज की सुरक्षित आपूर्ति के लिए भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। समाचार कक्ष से शैलेन्द्र शर्मा।

———————————

कौशाम्बी के मोहम्मदपुर गांव में पटाखा फैक्ट्री में हुए भीषण विस्फोट के मामले में पुलिस ने आज सुबह एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि घटना के बाद पुलिस ने दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस ने फरार चल रहे तीन आरोपियों पर 25–25 हज़ार रुपये का इनाम घोषित किया है।

(समाप्त)